पकः, B. विनोपकः। Die Scholien: वनुते याचते वनीपकः। कीचकपे-चकित्यादिशब्दादकाती निपातितः।

Str. 388, 58. Calc. Ausg. मार्गार्गा । — Man lese mit den Handschriften und dem Scholiasten: तर्नुकी ।

Str. 389, 62. Calc. Ausg. und D. म्रलंकिश्चि ।

Str. 390, 65. Calc. Ausg. विसारिणो, B. विसारिणा:, die Scholien wie wir.

Str. 391, 69. Schol चालिहित्यपि 1

Str. 392, 73. Die Scholien: कीपना र्राप ।

Str. 393, 77. Die Scholien: पिपासिता अपि । — Calc. Ausg. तृ-पितस्

Str. 394, 82. Man lese mit B. E. म्राशितः, die Scholien: म्रा सम-

Str. 397, 90. Schol. विलेप्यापि । — 92. वृतादिकम् म्रादिशब्दात्तैल-ड्राघद्धितक्रादीनि ।

Str 398, 93. B. E. und die Scholien : कृसर् ।

Str. 399, 97. Calc. Ausg. पुपलाचे°, die Scholien wie wir.

Str. 400, 3. Calc. Ausg. चमितः । Schol. चमती । गाँउस्तु चमतः पिष्टवर्तिः स्पादिति पुंस्पाक् । मुहादीनां पिष्टस्य वर्तिः पिष्टवर्तिः ।

Str. 401, 7. Calc. Ausg. चिप्रस्, B. चिप्रस्, die Scholien wie wir.

Str. 402, 11. Calc. Ausg. und die Handschriften: इन्त्रसः कायः।—
12. 13. Die Scholien: सितोपलः स्फिरिकः। तत्सरश्रवात्सितेपला।
सीयते बध्यते सिता।

Str. 403, 16. फाणित = खणुडश्चात, die Scholien. — 17. मार्जिता रिष, die Scholien.

Str. 404, 19. = मुद्राद्धान्यर्स, die Scholien.